भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

मार्च 2024 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

अधिकांश चावल उगाने वाले क्षेत्रों में पीले तना छेदक का भारी संक्रमण देखा गया है। इसलिए, निम्नलिखित प्रबंधन प्रथाओं को तुरंत अपनाने की सलाह दी जाती है:

- *पीला तना छेदक और पत्ती मोड़क की निगरानी के लिए चावल के खेत में प्रति एकड़ 3 फेरोमोन जाल लगाएं।*

  जब भी नर कीट/जाल की संख्या प्रति दिन 3 तक पहुँच जाए, तो निम्नलिखित कीटनाशकों में से किसी एक का छिड़काव या प्रयोग करें:

  अज़ाडिराक्टिन 0.15% नीम बीज गिरी आधारित ईसी फॉर्मूलेशन 800 मिली/एकड़ की दर से छिड़काव करें

  या

  दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 0.4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ की दर से छिड़काव करें

  या

  कार्टप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ की दर से 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर प्रयोग करें

  या

  क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ की दर से छिड़काव करें

  या

  फ्लुबेंडियामाइड 480एससी (39.35% डब्ल्यू/ डब्ल्यू) 20 मिली/एकड़ की दर से200 लीटर पानी में मिलाकर प्रयोग करें

  प्रयोग करें

- *जहां भी संक्रमण और अंडे का समूह दिखाई दे, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रति एकड़ 1 कार्ड (1 सीसी) की दर से ट्राइको कार्ड (ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम) का उपयोग करें। साप्ताहिक अंतराल पर ऐसी ही 4 से 5 रिलीज़ की जा सकती हैं।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अत्यधिक संक्रमण से बचने के लिए नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का विवेकपूर्ण प्रयोग करें।*
- *जहां भी संभव हो, पीले तना छेदक के अंडों को इकट्ठा करें और नष्ट कर दें।*

- *पौधे के निचले हिस्सों पर जमा अंडों को डुबोने के लिए समय-समय पर सिंचाई के पानी का स्तर बढ़ाएं।*
- *पीले तना छेधक के वयस्क कीटों को पकड़ने के लिए प्रकाश जाल का प्रयोग करें।*

1. *प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन चावल*
   रोपित की गई फसल के लिए

- *यदि पूर्व-उद्भव/उद्भव-पश्चात शाकनाशी प्रयोग नहीं किया गया है तो रोपाई के बाद 15-20 दिनों पर उद्भव-पश्चात शाकनाशी पेनॉक्ससुलम 1.02% + साइहालोफॉप-ब्यूटाइल 5.1% 800 मिली/एकड़ की दर से प्रयोग करें या रोपाई करने के 20 और 40 दिनों के बाद हाथों से निराई करें। रोपाई करने के 20 और 40 दिनों के बाद कतार में रोपित धान के खरपतवारों के नियंत्रण हेतु फिंगर वीडर/कोनो-वीडर/धान वीडर का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है।*
- *रोपे गए खेत में पीला तना छेदक और पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए धान के खेत में 3 फेरोमोन ट्रैप प्रति एकड़ लगाएं। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिराक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ की दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ की दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या टेट्रानिलिप्रोल 200 ग्राम/ली. एससी 120 मिली/एकड़ की दर से या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*

- *विलंब में रोपाई की गई खेत में रोपाई करने के 20-25 दिनों के बाद दौजियां निकलने की अवस्था में 35 किग्रा/एकड़ की दर से टॉप ड्रेसिंग के रूप में यूरिया डालें। समय पर की गई रोपित फसल में बालियां शुरू होने पर 35 किग्रा यूरिया एमओपी 11 किग्रा प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें।*
- *प्रध्वंस संक्रमण दिखाई देने पर, कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% + टेबूकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या एडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में या कसुगामाइसिन 3SL 500 मिली प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *खेत में भूरा धब्बा होने की स्थिति में कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी 500 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में या प्रोपिकोनाजोल 200 मिली प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*

2. *आर्द्र सीधी बुआई चावल*

- *पीला तना छेदक की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या टेट्रानिलिप्रोल 200*

ग्राम/ली. एससी 120 मिली/एकड़ दर से या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।

- *यदि पूर्व-उद्भव/उद्भव-पश्चात शाकनाशी प्रयोग नहीं किया गया है तो बुआई के बाद 15-20 दिनों पर उद्भव-पश्चात शाकनाशी पेनॉक्ससुलम 1.02% + साइहालोफॉप-ब्यूटाइल 5.1% 800 मिली/एकड़ की दर से 140 लीटर पानी में मिलाकर प्रयोग करें।*
- *प्रध्वंस संक्रमण दिखाई देने पर, कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% + टेबूकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या एडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में या कसुगामाइसिन 3SL 500 मिली प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *यदि भूरे धब्बे का प्रकोप दिखाई दे तो प्रोपीकोनाजोल 25% ईसी 200 मिली/एकड़ की दर से या कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% 500 ग्राम/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइस एक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।*